सतगुरु देवा जी सुण ल्यो म्हारी विनती भजन लिरिक्स

सतगुरु देवा जी,
सुण ल्यो म्हारी विनती,
मैं दु :खी बड़ो बेहाल,
पिलाओ ज्ञान जड़ी।bd।

कर्म उपासना ओ,
किया मैं बहु भारी,
या से पायो नहीं विश्राम,
पिलाओ ज्ञान जड़ी।bd।

गंगा यमुना ओ,
तीरथ नहा लियो,
या से मिटयो ना,
मन को सन्ताप,
पिलाओ ज्ञान जड़ी।bd।

माणक मोती ओ,
गुरु माँगू न हीं,
म्हाने राखो चरणा रो दास,
पिलाओ ज्ञान जड़ी।bd।

अगम अपारी ओ,
महिमा आपकी,
मैं आयों शरणा के माही,
पिलाओ ज्ञान जड़ी।bd।

वेद महावाक्य ओ,
खोल समझाई दो,
यही ज्ञानानन्द की पुकार,
पिलाओ ज्ञान जड़ी।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

सतगुरु देवा जी,
सुण ल्यो म्हारी विनती,
मैं दु :खी बड़ो बेहाल,
पिलाओ ज्ञान जड़ी।bd।

स्वर – श्री ज्ञानानंद जी महाराज।
प्रेषक – किशन गुर्जर।
6377944852

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com